

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-21

दिनांक- शुक्रवार, 15 मार्च, 2024



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.4 एवं 14.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 40 प्रतिशत, हवा की औसत गति 14.7 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.1 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 9.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 18.3 एवं दोपहर में 35.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(16-20 मार्च, 2024)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 16-20 मार्च, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल आ सकते हैं। हलाकि मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 9 से 12 कि०मी० प्रति घंटा की रफतार से मुख्य रूप से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- उत्तर बिहार में मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए किसान भाई खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सरसों की कटनी, दौनी एवं सुखाने के कार्य को उच्च प्राथमिकता देकर सम्पन्न करें। भूमि का तापमान ३० डिग्री सेल्सियस से अधिक हो गया है अतः तैयार आलू की खोदाई अबिलंब कर लें
- ओल की फसल की बुआई करें। बुआई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक 0.5 किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75x75 से० मी० रखें। 0.5 किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करें। वीज दर 80 किंगटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड़ड़ा 3 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, 20 ग्राम अमोनियम सल्फेट या 10 ग्राम युरिया, 37.5 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं 16 ग्राम पोटेशियम सल्फेट का व्यवहार करें। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20-25 मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में 10-15 मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- बैंगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू फल में घुसकर अन्दर से खाकर पूरी तरह फल को नष्ट कर देते हैं, जिससे प्रभावित फलों की बढ़वार रुक जाती है और वे खाने लायक नहीं रहते, आगे चलकर पूरी फसल बरबाद हो जाती है। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त तना एवं फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पिनेसेड 48 ई०सी०/1 मि०ली० प्रति 4 लीटर पानी की दर से या क्वीनालफॉस 1.5 मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई प्राथमिकता देकर करें। बुआई के पूर्व 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटेश तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विषाल, सम्राट, एस०एम०एल०-668, एच०यू०एम०-16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-19, पंत उरद-31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20-25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30-35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30x10 से०मी० रखें। बुआई पूर्व मिट्टी में नमी की जाँच कर लें।
- इन दिनों आम के बगीचों में मंजर पूरी तरह आ चुका है। किसान भाई आम में मंजर वाली अवस्था से फल के मटर के दाने के बराबर होने की अवस्था के मध्य किसी प्रकार का कोई भी कृषि रसायन का प्रयोग नहीं करें। विकृत दिखने वाले मंजर को तोड़कर बाग से बाहर ले जाकर जला दें अथवा जमीन में गाड़ दें।

आज का अधिकतम तापमान: 32.2 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 15.5 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.5 डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)

तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

(डॉ० ए. सत्तार)

वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)